हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, शनिवार, 8 मार्च, 2025

तापमान

अधिकतम 30 .4 डिग्री
न्यूनतम 7 .4 डिग्री

10 ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों ने मांगा मुआवजा

10 400 व 800 मीटर में मनीषा दौड़ी सबसे तेज

खबर संक्षेप

अवैध अंग्रेजी शराब सहित एक गिरफ्तार

हांसी। सीआईए स्टाफ ने अंग्रेजी शराब की 19 व बीयर की 140 कैन तथा 12 बोतल के साथ गामड़ी मोहल्ला निवासी मिन्टा उर्फ शंकर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के जानकारी अनुसार सीआईए स्टाफ पुलिस ने गश्त पड़ताल दौरान गामड़ी मोहल्ला हांसी में शक के आधार पर एक व्यक्ति की तलाशी ली गई। तो उस व्यक्ति के पास अंग्रेजी शराब की 19 व बीयर की 140 कैन तथा 12 बोतल बरामद हुई। आरोपी को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।

अहिल्या बाई की जयंती पर रक्तदान शिविर आज

हांसी। लोकहित मंच द्वारा पुण्य श्लोका, लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की त्रिशती जन्मजयंती के उपलक्ष्य में रविवार सुबह बस स्टैंड के सामने स्थित मंगलम ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने बताया कि शिविर में कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 55 वर्ष तक है वो रक्तदान कर सकते हैं और इससे शरीर मे किसी भी प्रकार की विकृती भी नही आती है। भारत मे हर दो सैकंड मे एक रक्त यूनिट की आवश्यकता पड़ती है जबकि उसकी उपलब्धता कम रहती है जिसे रक्तदान से पूरा किया जा सकता है।

नलवा विधायक रणधीर पनिहार को मातृ शोक

हिसार। नलवा से विधायक रणधीर पनिहार की माता रामप्यारी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 82 वर्ष की थी। वे पिछले काफी लंबे समय से बीमार थी और गुरुग्राम के मेदांता हस्पताल में एक माह से दाखिल थी। आज करीब 2 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा शोक जताया है। उनका अंतिम संस्कार 8 मार्च को सुबह 10 बजे गांव पनिहार चक में किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

बरवाला। गांव राजली में हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर सावित्रीबाई फुले पुस्तकालय में महिलाओं के जीवन पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।विचार गोष्ठी की अध्यक्षता औमपति, रामरति व संतोष ने संयुक्त रूप से की और संचालन नरेश रानी राजली ने किया। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता जिला सचिव, जनवादी महिला समिति एवं पूर्व एमसी हिसार बबली लाम्बा रही।

आभूषण चोरी के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

हिसार। पुलिस की एबीवीटी टीम ने आभूषण चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें कनोह निवासी कर्मबीर, शीशराम और मोठ रागड़ान निवासी सुभाष शामिल है। टीम प्रभारी उप निरीक्षक धर्मवीर ने बताया कि आजाद नगर थाना में हिसार निवासी महिला निर्मला ने सोने चांदी के आभूषणों सहित नकदी चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। उसने बताया कि वह हिसार बस स्टेंड से अपने गांव जुई जाने के लिए बस में बैठी थी। गांव डाबड़ा पहुंचने पर उसने अपना बैग चेक किया तो उसे बैग नहीं मिला जिसे किसी ने चोरी कर लिया। बैग में सोने चांदी के आभूषणों सहित एटीम कार्ड और तीन हजार रुपए थे।

मकान से नकदी चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

हिसार। पुलिस ने सेक्टर 14 हिसार स्थित मकान से नकदी चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी छोटी सातरोड निवासी विकास उर्फ लंगड़ा से पुलिस ने 8 लाख 20 हजार रुपये बरामद किए हैं। सेक्टर 14 निवासी सोनू ने 6 मार्च की दोपहर उसके घर से नकदी चोरी होने के बारे में पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी।

राष्ट्रपति आगमन को लेकर गुजवि परिसर की विशेष साज-सज्जा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 10 को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में

प्रशासनिक अमला सुरक्षा के तमाम पहलुओं की आज करेगा समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 10 मार्च को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राष्ट्रपति गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छठा दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगी। समारोह में प्रदेश के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रपति आगमन को लेकर गुजवि परिसर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। सैंकड़ों कर्मचारी दिन-रात दीक्षांत समारोह में तैयारियों में जुटे हैं।

इसी कड़ी में शनिवार को प्रशासनिक अमला सुरक्षा सहित तमाम पहलुओं की समीक्षा करेगा। इस समीक्षा प्रक्रिया के दौरान उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन सहित जिला के तमाम प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। वहीं, दूसरी तरफ राष्ट्रपति के हिसार दौरे के मद्देनजर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने तमाम तैयारियों की समीक्षा की है।

वहीं, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय हिसार के पीस पैलेस के प्रांगण में एसडीएम ज्योति मित्तल ने तमाम तैयारियों का निरीक्षण किया। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों की समीक्षा लगातार समय-समय पर की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से भी कार्यक्रम की रिहर्सल की जा रही है। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने निर्देश दिए कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का हिसार दौरा खासा अहम है। ऐसे में उनके प्रस्तावित दौरे को लेकर ड्यूटी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जरूरी औपचारिकताएं, सुरक्षा के सभी प्रबंधन, निर्बाध बिजली सप्लाई, संभावित स्थानों पर बैरिकेडिंग, वाहनों की पार्किंग तथा आमजन, वीआईपी से संबंधित जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए।

हिसार। तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थलों का दौरा करती अतिरिक्त उपायुक्ता। फोटो: हरिभूमि

यूटीडी के करीब 1529 विद्यार्थियों को दी जाएगी डिग्री

दीक्षांत समारोह में 9 मार्च 2018 से 31 दिसम्बर 2024 तक अवार्ड की गई। 561 पीएचडी की डिग्रियां संबंधित शोधार्थियों को प्रदान की जाएंगी। यूटीडी तथा पुराने इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट महाविद्यालयों के 326 विद्यार्थियों को मेडल्स प्रदान किए जाएंगे, जबकि 2017 से 2023 तक के पासआउट सम्बद्ध डिग्री, लॉ व शिक्षा कॉलेजों के 149 विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी मेडल्स प्रदान किए जाएंगे। दूरस्थ शिक्षा माध्यम से 2018 से 2023 के बीच पासआउट 89 विद्यार्थियों को दूरस्थ शिक्षा कोर्स मेडल प्रदान किए जाएंगे। यूटीडी के केवल मई 2024 पासआउट 1529 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर रेड जोन घोषित

जिलाधीश अनीश यादव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के 10 मार्च को हिसार में प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से यह फैसला लिया है। इस संबंध में उनकी तरफ से आदेश जारी किया गया है। जिलाधीश अनीश यादव द्वारा शुक्रवार को जारी किया गया यह निर्देश भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुए दिया गया है। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थलों तथा उसके आसपास क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया है। इसके साथ ही ड्रोन नियमावली-2021 के तहत रेड जोन में ग्लाइडर/ड्रोन/मानवरहित हवाई उपकरण आदि उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा।

स्वर्ण जयंती समारोह में राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतिथि

हिसार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज हिसार के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में 'समग्र कल्याण के लिए आध्यात्मिक शिक्षा प्रोजेक्ट' का शुभारंभ 10 मार्च को बालसमंद रोड स्थित पीस पैलेस के प्रांगण में महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु करेंगी। वे इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगी। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय एवं पीडब्ल्यूडी एंड बीएंडआर मंत्री रणबीर गंगवा भी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष से अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे। इनमें मुख्य रूप से हिसार की विधायक सावित्री जिंदल, उद्योगपति दीपिका जिंदल, ब्रह्माकुमारीज माउंटआबू मुख्यालय से राजयोगी ब्रह्माकुमार डॉ. मृत्युंजय भाई अतिरिक्त सचिव ब्रह्माकुमारीज, उड़ीसा कटक से राजयोगी ब्रह्माकुमार नाथमल भाई एवं माउंट आबू मुख्यालय से ब्रह्माकुमारी लीना बहन, पंजाब जोन की मुख्य संचालिका राजयोगिनी उत्तरा दीदी व राजयोगिनी प्रेम दीदी आदि इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

हिसार। विजेताओं को पुरस्कृत करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

एचएयू का एग्रीकल्चर कॉलेज बना ओवरऑल चैम्पियन

- अंकित पुरुष वर्ग में तो इशिका महिला वर्ग में रही बेस्ट एथलीट
- दो दिवसीय 52वीं एथलेटिक मीट प्रतियोगिता का समापन
- विजेता खिलाड़ियों को कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने पुरस्कार देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 52वीं वार्षिक एथलेटिक्स मीट संपन्न हुई। प्रतियोगिता में एग्रीकल्चर कालेज, बावल ने पुरुष वर्ग व महिला वर्ग में चैम्पियनशिप ट्राफी जीती। ओवरऑल चैम्पियन एग्रीकल्चर कालेज हिसार रहा। प्रतियोगिता में बेसिक सांइस कालेज के अंकित को पुरुष वर्ग में तथा कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका को महिला वर्ग में बेस्ट एथलीट घोषित किया गया। इन दोनों खिलाड़ियों को डॉ. सत्य प्रकाश आर्य सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्राफी प्रदान की गई।

प्रतियोगिता के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि दो दिवसीय इस प्रतियोगिता के 26 इवेंट में 322 छात्र एवं 176 छात्राएं शामिल रही।

अधिष्ठाता, निदेशक एवं स्टाफ की भी प्रतियोगिताएं

100 मीटर दौड़ (पुरुष स्टाफ 45 वर्ष से नीचे) में डॉ. युगाविन्दर प्रथम, संजय द्वितीय व अजाद सिंह तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ (महिला स्टाफ 45 वर्ष से नीचे) में डॉ. मीनाक्षी, प्रथम व डॉ. पवित्रा द्वितीय स्थान पर रही। 100 मीटर दौड़ में डॉ. एसके पाहुजा प्रथम, डॉ. रमेश यादव द्वितीय व डॉ. बलवान सिंह मंडल तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ (महिला स्टाफ 45 वर्ष से ऊपर) में कलावती प्रथम, डॉ. बस कौर द्वितीय व डॉ. उमा तृतीय स्थान पर रही। शॉटपुट (पुरूष स्टाफ 45 वर्ष से नीचे) में डॉ. विक्रम, डॉ. संजीव व डॉ. विकास क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। शॉटपुट में सुखबीर सिंह, कमल सिंह व विकास हुड्डा प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

परिणाम इस प्रकार रहे

महिला वर्ग की 100 मीटर दौड़ में इशिका प्रथम, अशमीता द्वितीय व तमन्ना तृतीय, पुरुष की 100 मीटर दौड़ में अंकित प्रथम, कुलदीप द्वितीय व अभिषेक तृतीय स्थान पर रहा। महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में इशिका प्रथम, प्रीति द्वितीय व योगिता तृतीय, पुरुष की 200 मीटर में अंकित प्रथम, नरेश द्वितीय तथा राजेश व ध्रुव तृतीय, पुरुष की 400 मीटर दौड़ में कुलदीप प्रथम, हर्ष द्वितीय व विकास तृतीय महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में इशिका प्रथम, अशमीता द्वितीय व प्रीति तृतीय स्थान पर रहीं। पुरुष की 1500 मीटर दौड़ में अंकित प्रथम, रोहन भादू द्वितीय व अभिषेक तृतीय स्थान पर रहे।

उत्कृष्ट योगदान पर अधिवक्ता सम्मानित

- पदाधिकारियों ने आरओ सहित इलेक्शन स्टाफ को प्रशस्तिपत्र व मोमेंटो भेंट कर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिला बार एसोसिएशन ने वार्षिक चुनाव 2025-26 को शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चुनाव अधिकारियों, इलेक्शन और बार के स्टाफ़ को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट सुनील तिवारी, नवनिर्वाचित प्रधान एडवोकेट संदीप बूरा और सचिव एडवोकेट समीर भाटिया ने समस्त चुनाव अधिकारियों, इलेक्शन ड्यूटी देने वाले अधिवक्ताओं और बार कर्मचारियों को प्रशस्तिपत्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में राजेश वर्मा, रामसिंह सोढ़ी, शीतल कुमार शिल्ला, विकाश देहरू, अनुराग भारद्वाज, आदि शामिल रहे।

हिसार। सम्मानित करते बार पदाधिकारी व कार्यक्रम में उपस्थित अधिवक्ता व अन्य।

नेशनल यूथ फेस्टिवल में ओएसजीयू तृतीय

- विजेता विद्यार्थियों को वीसी डॉ. पुनीत गोयल ने दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी ललित कला का प्रदर्शन करते हुए 38वें एसोसिएशन ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एआईयू) द्वारा इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टिवल के दौरान कार्टूनिंग, कोलॉज, ऑन दी स्पॉट पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग के साथ शोभायात्रा में तृतीय स्थान का खिताब अपने नाम करवाया।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल व प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने इन गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय की सीईडी आर्किटेक्ट गरिमा गोयल ने बताया कि एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित 38वें इंटर यूनिवर्सिटी नेशनल यूथ फेस्टिवल के ललित कला के सभी कार्यक्रम में ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्विद्यालय की छात्रों सोना ने कार्टूनिंग और कोलॉज में, जिया ने ऑन दी स्पॉट पेंटिंग में और पुनीता ने क्ले मॉडलिंग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि हर एक विद्यार्थी ने अपनी बौद्धिक क्षमता और हस्त कला के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है और ओएसजीयू को ऐसे विद्यार्थियों पर गर्व है। कुलपति डॉ एन.पी. कौशिक व प्रति कुलपति डॉ राजेंद्र सिंह छिल्लर ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सब विद्यार्थियों की मेहनत और लगन का परिणाम है। ललित कला विभाग के डीन डॉ बीना दीक्षित ने सभी विधार्थियों को बधाई दी।

हिसार। शानदार प्रदर्शन करने वाले ओएसजीयू के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करते अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

महिलाओं ने लिया बर्फी व पिज्जा बनाने का प्रशिक्षण

- महिला किसानों के लिए डेयरी प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में और केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान हिसार के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय अनुसूचित जाति की महिला किसानों के उद्यमिता विकास के लिए डेयरी प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. इंदु और डॉ. सुमित महाजन की देखरेख में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि लुवास के निदेशक, मानव संसाधन प्रबंधन डॉ. राजेश खुराना थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आईसीएआर केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नवनीत सक्सेना और शक्तिवर्धक मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. विनोद बेनीवाल उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ. राजेश खुराना ने कहा कि यह कार्यक्रम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षण के दौरान महिला प्रतिभागियों ने डेयरी प्रसंस्करण के आधुनिक तरीकों को सीखकर उद्यमिता विकास की ओर एक नई शुरुआत की है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं ने पनीर, श्रीखंड, कुल्फी, बिस्किट, बर्फी, दही, चीज़ और पिज्जा जैसे डेयरी उत्पादों को तैयार करना सीखा।

खुले में पशुओं को चारा डालने का सामान किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नगर निगम की तहबाजारी टीम व पशु पकडने वाली टीम ने अर्बन एस्टेट से खुले में पशुओं को हरा चारा डालने व पानी पिलाने का सामान जब्त कर लिया है।

निगम का कहना है कि यदि किसी को पशुओं को चारा डालना हैं तो नगर निगम द्वारा संचालित ढूंढूर स्थित गो-अभ्यारण में जाकर डालें। टीम के इंचार्ज राहुल सैनी ने बताया कि अर्बन एस्टेट में खुले में पशुओं को हरा चारा डालने की शिकायत मिली थी। अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा के आदेशानुसार यह कार्रवाई की गई। जिसके चलते टीम ने शुक्रवार को अर्बन एस्टेट से चारा डालने वाली एक रेहड़ी, प्लास्टिक की कैन सहित अन्य सामान जप्त किया। खुले में चारा डालने पर पशु आ जाते हैं जिससे दुर्घटना होने का खतरा बना रहता हैं। अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने शहरवासियों से अपील की हैं कि सड़क पर या खुले में चारा न डालें। अगर पशुओं को चारा डालना हैं तो नगर निगम द्वारा संचालित ढूंढर स्थित गो-अभ्यारण में जाकर डालें।

हिसार। सामान जब्त करते निगम की टीम।

श्री श्याम मंदिर में फाल्गुन मेला आज से

हिसार। सेक्टर 16-17 स्थित श्रीश्याम मंदिर मे रंग रंगीला रस रसीला चार दिन के फाल्गुन मेले के पहले दिन 8 मार्च को सायं 4 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा। मंदिर कमेटी सदस्य त्रिलोक बंसल ने बताया कि इसमें कोलकाता से आए भजन गायक अमोल- शुभम श्री श्याम प्रभु की महिमा का गुणगान करेंगे। कोलकाता से आए कारीगरों द्वारा मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की समृद्धी शंख - सिप्पी की थीम पर एवं आकर्षक लाइटिंग करके सजावट की गई है।

राजकीय महिला कॉलेज में झंकार कार्यक्रम में थिरकीं छात्राएं

कृष्ण रासलीला ने समारोह में दर्शकों का मन मोहा

- मुख्य अतिथि सिहाग ने छात्राओं की प्रस्तुतियों को सराहा
- अपनी कला के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत करें : विधायक सिहाग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

राजकीय महिला महाविद्यालय में झंकार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की सभी संकायों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर पूर्व विधायक जोगीराम सिहाग मुख्य अतिथि रहे जबकि प्राचार्य डॉ. सतबीर सिंह सांगा अध्यक्षता करते हुए ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। झंकार कार्यक्रम में कृष्ण रासलीला, जनरल डांस सोलो एवं ग्रुप, सिंगिंग, फाइन आर्ट इवेंट जैसे रंगोली, पोस्टर मेकिंग, कोलाज मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, क्विज, भाषण प्रतियोगिता आदि रहे।

मुख्य अतिथि जोगीराम सिहाग ने कहा कि सभी छात्राएं इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लें और अपनी कला के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत करें। इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल आपकी रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि यह हमें एकजुट होने और अपनी परंपराओं को संरक्षित रखने का भी अवसर प्रदान करते हैं।

हिसार। झंकार कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में महाविद्यालय से सेवानिवृत हो चुके पूर्व प्राचार्य डॉ. रमेश आर्य, आरएमएस मलिक, डॉ. रविन्द्र बेनीवाल व अन्य एसोसिएट प्रोफेसर सभी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच संचालन झंकार कार्यक्रम के संयोजक एवं संगीत विभाग के सहायक प्रोफेसर सतबीर, शाइना और कमलेश ने किया। इस कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. नीलम दहिया, डॉ. प्रियंका सिंगला और हिना पाहुजा ने निभाई।

गाय सीढ़ियां चढ़ तो सकती है, लेकिन उसे उतरने में काफी परेशानी होती है।

यंगभूमि

चींटी एक ऐसा जीव है जिसके पास फेफड़े नहीं होते इसीलिए वह सो नहीं सकती है।

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर का पद शानदार, बनाएं करियर

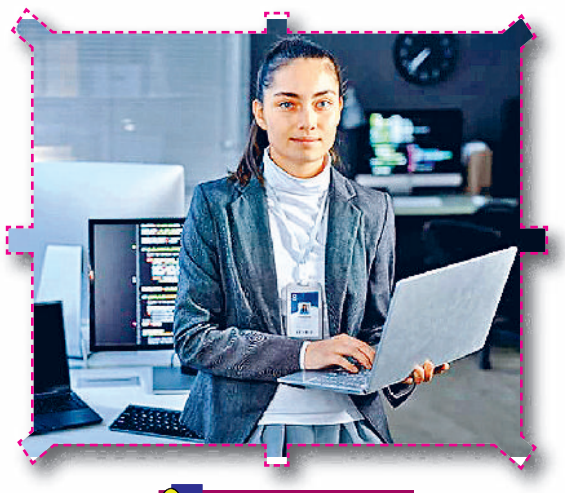

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एक महत्वपूर्ण पद होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा डिमांड में रहता है। आज का समय टेक्नोलॉजी का युग माना जाता है। ऐसी स्थिति में टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसी भी कार्य को अधिक आसानी से किया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि वर्तमान समय में हर तरह की कंपनियां व्यवसाय को इस पद पर कार्यरत लोगों की मांग होती है क्योंकि आज के समय में अधिकांश कार्य ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। जो कार्य ऑफलाइन माध्यम से होते हैं, उन्हें भी मैनेज करने के लिए तथा व्यापार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होता है।

काफी ज्यादा मांग

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर एक महत्वपूर्ण पद होता है, जो आज के समय में काफी ज्यादा डिमांड में रहता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि वर्तमान समय में हर तरह की कंपनियां व्यवसाय को इस पद पर कार्यरत लोगों की मांग होती है क्योंकि आज के समय में अधिकांश कार्य ऑनलाइन माध्यम से किए जाते हैं। जो कार्य ऑफलाइन माध्यम से होते हैं, उन्हें भी मैनेज करने के लिए तथा व्यापार को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना होता है। आज का समय टेक्नोलॉजी का युग माना जाता है। ऐसी स्थिति में टेक्नोलॉजी के माध्यम से किसी भी कार्य को अधिक आसानी से किया जाता है। यहां मुख्य अधिकारी कंपनी के अंतर्गत सभी तरह के तकनीकी संसाधनों का प्रबंधन करता है उसका मूल्यांकन करता है तथा कंपनी का राजस्व अधिक बढ़ाने के लिए जरूरी हर तरह के टेक्नोलॉजी से संबंधित उपकरण उपलब्ध कराता है और उन पर अपनी निगरानी में तथा अपनी जिम्मेदारी से काम करके कंपनी को मदद पहुंचाता है। कंपनी के लिए उपयुक्त तथा उपयोगी हर तरह की टेक्नोलॉजी का लेखा जोखा और उसकी देखरेख मुख्य अधिकारी के अंतर्गत आती है। टेक्नोलॉजी की मदद से कंपनी को आसान तरीके से चलाने का कार्य भी मुख्य तकनीकी अधिकारी का होता है।

करने होते ये काम

- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर अपनी सूझबूझ से कंपनी के कार्य को अच्छी तरह से फैलाता है तथा कंपनी के मुख्य अधिकारियों को कंपनी को विकसित करने तथा अधिक मुनाफा प्राप्त करने में टेक्नोलॉजी के जरिए मदद करता है। चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर अपनी जिम्मेदारी से कंपनी के अंतर्गत होने वाले टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्य को संपन्न करवाता है और टेक्नोलॉजी के सेक्टर से संबंधित कंपनी को हर तरह का सहयोग उपलब्ध कराता है। चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर कंपनी के अंतर्गत होने वाले सभी टेक्नोलॉजी से संबंधित कार्यों की रिपोर्ट कंपनी के मुख्य अधिकारियों को समय-समय पर सौंपता है।
- मुख्य तकनीकी अधिकारी अपनी सूझबूझ से आईटी परियोजनाओं को मार्केट में पहुंचाने का कार्य करता है।
- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर कंपनी का सभी महत्वपूर्ण और जरूरी डाटा सुरक्षित रखता है।
- कंपनी के लिए जरूरी डाटा को सुरक्षित रखकर उसका प्रबंध करता है।
- मुख्य तकनीकी अधिकारी अपने अनुभव के आधार पर टेक्नोलॉजी की मदद से कंपनी और ग्राहक के बीच बेहतरीन संबंध स्थापित करता है।
- तकनीकी के नए-नए तरीकों से कंपनी के द्वारा विभिन्न प्रकार की समस्या का निवारण किया जाता है।
- तकनीकी की मदद से अत्याधुनिक तरीके से निवेश किया जाता है।
- कंपनी का राजस्व बढ़ाने के लिए मुख्य तकनीकी अधिकारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- कंपनी के लिए उपयोगी उपकरण हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर इत्यादि का संरक्षण और उपयोग सुनिश्चित करता है।

जरूरी योग्यताएं

- सीटीओ बनने के लिए विद्यार्थी को सबसे पहले 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।
- 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद विद्यार्थी कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में स्नातक की डिग्री हासिल करना अनिवार्य है।

तनख्वाह

किसी भी कंपनी या व्यवसाय के अंतर्गत आने वाले सीटीओ की सैलरी इस बात पर निर्भर करती है कि वह अधिकारी दुनिया के किस देश में तथा किस प्रकार की कंपनी में काम करता है क्योंकि आमतौर पर बड़ी-बड़ी अमेरिकी कंपनियों में पूरी दुनिया के मुकाबले अतिरिक्त भुगतान किया जाता है। भारत में भी बड़ी-बड़ी कंपनियां मुख्य तकनीकी अधिकारियों को अच्छा वेतन प्रदान करती है। आमतौर पर भारत में चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर को प्रतिवर्ष 20,00,000 रुपए से लेकर 30 लाख रुपए के अंतराल में दिए जाते हैं। इसके अलावा अधिकारी के अनुभव और कंपनी के ऊपर सैलरी निर्भर करती है।

कैसे बने सीटीओ

चीफ टेक्नोलॉजी ऑफीसर बनने के लिए आपको शुरुआत से ही विज्ञान विषय से संबंधित अध्ययन करना चाहिए और इसी फील्ड में आगे बढ़ना चाहिए अगर आप चीफ टेक्नॉलाजी ऑफिसर बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको कंप्यूटर विज्ञान की फील्ड में स्नातक की डिग्री हासिल करनी होगी। ऐसा करने से आपके पास टेक्नोलॉजी से संबंधित महत्वपूर्ण ज्ञान आ जाएगा, जिसके आधार पर आप और अधिक गहराई से अध्ययन कर सकते हैं। आमतौर पर बड़ी-बड़ी कंपनियां सीटीओ के पद पर ऐसे अधिकारियों की नियुक्ति करती हैं जिन्हें पहले से ही कुछ एक्सपीरियंस हो ऐसी स्थिति में आप शुरुआती समय में छोटी कंपनियों में कार्य कर सकते हैं, जिससे समय के अनुसार आपका एक्सपीरियंस बढ़ता रहेगा।

आधुनिक तकनीक अपनाकर कृषि क्षेत्र से भी की जा सकती है अच्छी आमदनी

भारत में एग्रीकल्चर एक बहुत बड़ा क्षेत्र नौकरी के लिए भी अच्छा करियर विकल्प

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

एग्रीकल्चर का अर्थ होता है कृषि। भारत एक कृषि प्रधान देश है क्योंकि युगों युगों से भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। खेती से ही भारत अपना जीवन यापन करता है। देश की अर्थव्यवस्था में खेती का बहुत बड़ा योगदान है। इसीलिए आप एग्रीकल्चर के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। अगर आपने यह सोचा है कि हम आपको खेती करने की सलाह दे रहे हैं, तो यह बिल्कुल गलत है क्योंकि वर्तमान समय में एग्रीकल्चर के रूप में विभिन्न पदों पर कार्यरत होकर आप एक बेहतरीन करियर विकल्प सुन सकते हैं। आज के समय में हमें ऐसी अनेक सारी खबरें देखने को मिलती है जिसमें विदेशों से लोग वापस लौट कर खेती करते हैं और करोड़ों रुपये कमा लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि वह लोग इतने सारे पैसे कैसे कमाते हैं। बता रहे हैं कि वर्तमान समय में खेती से संबंधित विभिन्न प्रकार की खेती की पद्धति प्रक्रिया सामने आई है। विशेष रुप से इजराइल की खेती प्रक्रिया से देश में बड़े पैमाने पर खेती की जा रही है। इजराइल खेती प्रक्रिया के अनुसार कम जमीन में और कम समय में लाखों रुपये की कमाई होती है। यही वजह है कि विदेशों में लोग बड़ी-बड़ी नौकरियां छोड़कर अपने देश लौटकर यहां पर खेती करके लाखों और करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। जैसा कि आपको पता ही है कि वर्तमान समय में काम करने के प्रत्येक तरीकों में बदलाव आ चुका है। इसी प्रकार का बदलाव खेती के क्षेत्र में भी आ चुका है। आज के समय में एग्रीकल्चर एक बहुत बड़ा क्षेत्र बन चुका है। जहां पर लोग नौकरी करके एक बेहतरीन करियर विकल्प देखते हैं।

एग्रीकल्चर क्षेत्र के कोर्स

- मास्टर ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर
- मास्टर ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर बॉटनी
- बीटेक इन एग्रीकल्चर
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एंड अलाइड प्रेक्टिसस
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग
- बैचरल ऑफ साइंस इन एग्रीकल्चर
- बैचलर ऑफ साइंस आनर्स
- मास्टर ऑफ साइंस इन बायोलॉजिकल साइंस
- डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर

अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान

कैसे करे एग्रीकल्चर की पढ़ाई

एग्रीकल्चर में करियर बनाने के लिए आपको विभिन्न प्रकार के कोर्स करने होते है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वर्तमान समय में एग्रीकल्चर का क्षेत्र बहुत बड़ा है। इसीलिए इसमें आपको विभिन्न प्रकार के नौकरियां करनी होती है विभिन्न प्रकार के पदों पर कार्य करके आप अपना एक बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं। एग्रीकल्चर के सत्र में विभिन्न प्रकार की डिग्रियां उपलब्ध कराई जाती है, जिनमें बेचलर, डिप्लोमा , मास्टर्स इत्यादि शामिल हैं। तो आइए एग्रीकल्चर के क्षेत्र में आने वाले कोर्स के बारे में भी आपको बताते हैं।

आधुनिक कृषि के प्रकार

आज का समय बदल चुका है लगभग प्रत्येक कार्य को आधुनिक तरीके से किया जा रहा है जिसमें इंटरनेट और टेक्नोलॉजी का बहुत बड़ा योगदान है। इसी जगह जी के आधार पर तथा वैज्ञानिकों के सहारे पर अत्याधुनिक तरीके से खेती की जा रही है, जिसमें कम समय में कम जगह पर कार कंपनी से मोटा मुनाफा कमाया जाता है और बड़े पैमाने पर फसल का उत्पादन किया जाता है। इसमें कृषि इंजीनियर पता भारतीय प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तो आइए जानते हैं कि अत्याधुनिक तरीके से आधुनिक कृषि के प्रकार कौन-कौन से हैं?

कृषि इंजीनियरिंग

कृषि के क्षेत्र में भी इंजीनियर की पद्धति शुरू हो चुकी है। बता दें कि कृषि इंजीनियरिंग की मदद से ऐसे विशेष उपकरण तथा मशीनरी बनाई गई है जो कम समय में और कम जमीन पर लाखों रुपये की कमाई वाली फसलों को तैयार करता है। बता दें कि कृषि इंजीनियरिंग के तहत जल की निकासी सिंचाई ग्रामीण बिजली ग्रामीण रचनाएं मिट्टी का संरक्षण तथा कृषि के उपकरण इत्यादि विकल्प शामिल है। कृषि इंजीनियरिंग के अंतर्गत कृषि गतिविधियों को देखा जाता है। कृषि उपकरण कृषि मशीनों का निर्माण की प्रक्रिया जाता है तथा बेहतरीन ढंग से कार्य करवाया जाता है।

करियर विकल्प

एग्रीकल्चर की महत्वता को जानते हुए भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा केंद्र से लेकर ग्रामीण स्तर तक विभिन्न प्रकार के एग्रीकल्चर से संबंधित पद जारी किए गए हैं। आप अपनी शिक्षा और अनुभव के आधार पर विभिन्न एग्रीकल्चर के कार्यों पर कार्यरत रह सकते हैं। आर्टिकल में बताए गए सभी प्रकार के कृषि क्षेत्रों से संबंधित करियर विकल्प विस्तार से जानते हैं।

कृषि इंजीनियरिंग में करियर

कृषि इंजीनियरिंग के सत्र में शिक्षा प्राप्त करने के बाद आप कृषि से संबंधित मशीनरी और कृषि शिक्षा पद्धति को अपने अनुसार नया रूप दे सकते हैं। डिजाइन करवा सकते हैं, कंपनियों में काम कर सकते हैं या कृषि अनुसंधान केंद्र में विकास के नए नए उपयोग कर सकते हैं।

अर्थशास्त्र में करियर: कृषि अर्थशास्त्र के क्षेत्र में बेहतरीन करियर विकल्प देखने को मिलता है क्योंकि यहां पर आज के समय में किसानों को खेती करने के लिए ऋण लेना होता है। इसके अलावा कृषि अनुसंधान और कृषि अर्थशास्त्र के रूप में बाजार के रुझानों को जागना होता है।

कृषि विज्ञान में करियर के अवसर

एग्रीकल्चर के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप कृषि विज्ञान का क्षेत्र चुन सकते हैं क्योंकि इसमें मुख्य रूप से मिट्टी से संबंधित रिसर्च की जाती है, जिसमें मिट्टी के अनुसार हवा और पानी तथा समय के अनुसार कौन-कौन सी फसलें होगी तथा किस प्रकार से उन्हें उगाना है? और कौन-कौन से खाद एवं उर्वरक तथा कीटनाशक का उपयोग करना है। इस बारे में जानकारी दी जाती है।

बागवानी

आज के समय में लाखों की संख्या में लोग बागवानी के शौकीन हैं। बागवानी के अंतर्गत विदेशी फूलों वाले पेड़ न, विदेशी पेड़, विभिन्न प्रकार के बाग बगीचे, खूबसूरत पुराने पेड़ पौधे लगाए जाते हैं। पेड़ पौधों को बड़ा करने के लिए और हमेशा स्वस्थ रखने के लिए विभिन्न प्रकार की जड़ी बूटियां दवाइयां दी जाती है। तथा उनकी देखभाल की जाती है इसके लिए विशेष प्रकार की कृषि विज्ञान की पढ़ाई करवाई जाती हैं।

वर्तमान समय में भारत में बागवानी के शौकीन बड़ी मात्रा में देखने के लिए मिल जाते हैं। विशेष रुप से अमीर लोग अपने फार्म हाउस पर बागवानी लगाते हैं। इसीलिए उन्हें बड़े पैमाने पर कृषि वैज्ञानिक की भी आवश्यकता पड़ती है।

बागवानी के लिए शीर्ष संस्थान

- आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
- गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर

कृषि अर्थशास्त्र

अत्याधुनिक तरीके से कृषि करने के लिए विभिन्न प्रकार के अर्थशास्त्र के सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है, जिसके आधार पर व्यापार और कृषि वस्तुओं का उत्पादन विभिन्न प्रकार के तरीके, कृषि उत्पादों की मांग, आपूर्ति, कृषि से संबंधित मदद, कृषि क्षेत्र में विशेषज्ञों का अनुभव तथा फसल, विज्ञान नीति, विश्लेषण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, व्यापार, कृषि के उत्पादन आयात निर्यात कृषि क्षेत्र में पशुधन कृषि अर्थशास्त्र के रूप से नीति विश्लेषण, कृषि ऋण विश्लेषण, कृषि व्यवसाय इत्यादि कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शीर्ष संस्थान : कृषि अर्थशास्त्र क्षेत्र में कोर्स करवाने वाले भारत के शिक्षण संस्थान निम्नलिखित हैं –

- चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर
- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर
- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

कृषि विज्ञान

कृषि विज्ञान अत्याधुनिक समय की कृषि के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि से संबंधित प्रत्येक छोटी-बड़ी विषय वस्तु को जांच के आधार पर परखा जाता है, जिसमें विशेष रूप से मिट्टी का अध्ययन किया जाता है। मिट्टी के अनुसार पानी, फसल, खाद, बीज, उर्वरता, हवा, नमी, कीड़े, कीटनाशक इत्यादि के आधार पर फसल का रंग रूप तैयार किया जाता है। सबसे पहले मिट्टी की जांच करके यह देखा जाता है, किस मिट्टी में तथा संबंधित पानी में यहां के वातावरण के अनुसार कौन-कौन सी फसल हो सकती है? कौन से समय हो सकती है तथा उसके लिए कितना पानी लगेगा और किस प्रकार से कीटनाशक का उपयोग करना है। इत्यादि सभी महत्वपूर्ण जानकारी कृषि विज्ञान के क्षेत्र से संबंधित हासिल की जाती है।

शीर्ष संस्थान : एग्रीकल्चर के सत्र में आप करियर बनाना चाहते हैं, तो कृषि विज्ञान का सत्र अवश्य चुनें, क्योंकि यहां पर आपको बेहतरीन और विभिन्न प्रकार के कृषि विज्ञान से संबंधित करियर विकल्प देखने को मिलेंगे। भारत में कृषि विज्ञान की शिक्षा दिलाने वाले निम्नलिखित शिक्षण संस्थान है–

- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, पुणे
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना

बागवानी के क्षेत्र में करियर के अवसर

बागवानी के सत्र में आप एक बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं। इसके लिए फूलों की खेती अंगूर की खेती फलों की खेती सब्जियों की खेती खुशबूदार फूलों को गाना उसका शोषण करना समय समय पर खाद उर्वरक कीटनाशक का उपयोग करना तथा किस प्रकार से आयात निर्यात करना है। इत्यादि इस प्रकार से बागवानी के क्षेत्र में बेहतरीन करियर विकल्प चुन सकते हैं।

परीक्षा का डर स्वाभाविक, यह जीवन के विशाल कैनवास पर एक छोटा–सा पड़ाव

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

परीक्षा के दौरान डर और चिंता का अनुभव करना स्वाभाविक है, लेकिन यह समय जीवन के विशाल कैनवास पर एक छोटा-सा पड़ाव मात्र है। तनाव, शरीर की प्राकृतिक प्रतिक्रिया है जो हमें चुनौतियों के लिए तैयार करता है, पर लंबे समय तक रहने पर यह नींद और आत्मविश्वास को कमजोर कर देता है। इसे प्रबंधित करने के लिए योग, प्राणायाम, या 5-4-3-2-1 तकनीक जैसे व्यावहारिक उपाय अपनाए जा सकते हैं। गीता का सिद्धांत-कर्म करो, फल की इच्छा मत करो- हमें तैयारी पर ध्यान केंद्रित करने की याद दिलाता है। परिणामों को जीवन की मंज़िल न समझें। टॉम क्रूज, ओप्राह विन्फ्रे, या डॉ. कलाम जैसे उदाहरण साबित करते हैं कि अंक व्यक्ति की क्षमताओं को परिभाषित नहीं करते।

अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य पर फोकस रखें

भारत में रतन टाटा या मैरी कॉम जैसी प्रेरणाएं दिखाती हैं कि सफलता के रास्ते अनेक हैं। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन जैसे संस्थान बिना डिग्री के भी रोज़गार के अवसर प्रदान करते हैं। हर व्यक्ति की प्रतिभा अद्वितीय होती है। हावर्ड गार्डनर के मल्टीपल इंटेलिजेंस थ्योरी के अनुसार, संगीत, शारीरिक कौशल, या सामाजिक बुद्धिमत्ता जैसे गुण भी सफलता की नींव रखते हैं। शौक, इंटर्नशिप, या ऑनलाइन कोर्सेज के माध्यम से इन्हें निखारा जा सकता है। स्वामी विवेकानंद का संदेश- उठो, जागो, और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो-हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। तनाव मुक्ति के लिए समय प्रबंधन, डायरी लेखन, या सहायता माँगना जैसे कदम उपयोगी हैं। पोमोडोरो तकनीक या प्राथमिकता सूची बनाकर पढ़ाई को प्रभावी बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए 7-8 घंटे की नींद, पौष्टिक आहार, और शारीरिक गतिविधियां तनाव कम करने में मददगार हैं। समाज के दबाव को समझते हुए भी अपनी सीमाएं तय करें। माता-पिता से खुलकर बात करें और अपनी योजनाओं को साझा करें। परिणाम के बाद भी जीवन नए रास्ते खोलता है-गैप ईयर, कौशल विकास, या वैकल्पिक शिक्षा संस्थानों के माध्यम से नए लक्ष्य बनाए जा सकते हैं। महाभारत के अर्जुन की तरह, अपने लक्ष्य पर फोकस रखें और शोर को अनदेखा करें। याद रखें, परीक्षाएं आपकी मेहनत को मापती हैं, मगर आपकी मानवता या सपनों को नहीं। एक परिणाम आपके हौसलों का अंत नहीं है। जैसे एक फसल खराब होने पर किसान खेती नहीं छोड़ता, वैसे ही आप भी आगे बढ़ते रहें। अटल जी के शब्दों में-तू न थकेगा कभी, तू न रुकेगा कभी...-यही जीवन की अनंत यात्रा का सार है।

नए अवसर हमेशा मौजूद रहते

1. **मेहनत बनाम पहचान:** परीक्षाएं व्यक्ति की मेहनत और तैयारी का आकलन करती हैं, लेकिन वे उसकी मानवीय मूल्यों (जैसे दया, ईमानदारी) या सपनों की ऊंचाई को परिभाषित नहीं कर सकतीं।
2. **एक परिणाम, अंत नहीं :** किसी एक परीक्षा का नतीजा आपके हौसलों या संभावनाओं का अंतिम फैसला नहीं है। जीवन में नए अवसर और रास्ते हमेशा मौजूद रहते हैं।
3. **किसान का दृष्टांत:** जिस तरह एक बार फसल खराब होने पर किसान खेती नहीं छोड़ता, वैसे ही विद्यार्थी को भी लगातार प्रयास जारी रखना चाहिए। असफलता सीखने का हिस्सा है।
4. **अटल जी का प्रेरक संदेश:** 'तू न थकेगा कभी, तू न रुकेगा कभी...' -यह पंक्ति जीवन को एक अनवरत यात्रा मानने और चुनौतियों से लड़ने की प्रेरणा देती है।
5. **जीवन की विशालता:** परीक्षा परिणाम जीवन के एक पृष्ठ जितना महत्व रखता है, पूरी पुस्तक नहीं। सफलता के लिए धैर्य और लचीलापन जरूरी है।
6. **सपनों की उड़ान:** अंक या ग्रेड आपके सपनों की उड़ान को सीमित नहीं कर सकते। इतिहास गवाह है कि कई महान हस्तियों ने औपचारिक शिक्षा के बिना भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कीं।

परीक्षाएं जीवन का एक छोटा चैप्टर हैं, जिन्हें समग्रता में देखना चाहिए। असफलता या सफलता से आगे बढ़ने का साहस ही वास्तविक जीत है।

सामान्य ज्ञान

1. हिंदी किस भाषा परिवार की भाषा है
(ए) भारोपीय
(बी) द्रविड़
(सी) आस्ट्रिक
(डी) चीनी-तिब्बती

2. भारत में सबसे अधिक बोले जाने वाली भाषा कौन सी है
(ए) हिंदी
(बी) संस्कृत
(सी) तमिल
(डी) उर्दू

3. हिंदी भाषा का जन्म हुआ है
(ए) अपभ्रंश से
(बी) लौकिक संस्कृत से
(सी) पालि-प्राकृत से
(डी) वैदिक संस्कृत से

4. निम्न में से कौन सी बोली अथवा भाषा हिंदी के अंतगर्त नहीं आती है
(ए) कन्नौजी
(बी) बांगरू
(सी) अवधी
(डी) तेलुगु

5. हिंदी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है
(ए) राजभाषा
(बी) तकनीकी भाषा
(सी) राष्ट्रभाषा
(डी) काव्यभाषा

6. भारतवर्ष में हिंदी को आप किस वर्ग में रखेंगे
(ए) राजभाषा
(बी) राष्ट्र भाषा
(सी) विभाषा
(डी) तकनीकी भाषा

7. ढूढाली बोली है
(ए) पश्चिमी राजस्थान की
(बी) पूर्वी राजस्थान की
(सी) दक्षिणी राजस्थान की
(डी) उतरी राजस्थान की

8. ब्रजबुली नाम से जानी जाती है
(ए) पंजाबी
(बी) मराठी
(सी) गुजराती
(डी) पुरानी बांग्ला

उत्तर 1.(ए) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(डी) 6.(ए) 7.(बी) 8.(डी)

खबर संक्षेप

फतेहाबाद में किसानों का धरना 11 मार्च को

टोहाना। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 11 मार्च को फतेहाबाद के डीसी कार्यालय पर किसान धरना देंगे। इस प्रदर्शन में टोहाना, रतिया, भुना, जाखल, फतेहाबाद, भटूकला और कुला सहित सभी खंडों के किसान नेता शामिल होंगे। यह जानकारी देते हुए किसान नेता जगतार सिंह ने कहा कि यह प्रदर्शन कई महत्वपूर्ण मांगों को लेकर किया जा रहा है।

बातों में उलझाकर गल्ले से हजारों ले उड़ा युवक

फतेहाबाद। गांव खैरपुर में एक युवक दुकानदार को बातों में उलझा कर गल्ले में रखी हजारों रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गया। इस बारे पीड़ित दुकानदार द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। सदर रतिया पुलिस को दी शिकायत में गांव खैरपुर निवासी भगवान दास ने कहा है कि उसकी गांव में ही दुकान है। गत दिवस एक युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर उसकी दुकान पर आया। युवक ने सामान लेने के बहाने उसे बातों में उलझा लिया।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर कल

सिरसा। जनता भवन रोड स्थित बाबा बिहारी नेत्रालय की ओर से श्री गौशाला में आगामी 9 मार्च को आंखों की जांच का निःशुल्क कैंप स्व. सीताराम बागला की याद में बागला परिवार की ओर से जनसेवा में लगाया जाएगा। गौशाला के प्रधान राजेंद्र रातुसरिया व सचिव प्रेम कंदोई ने संयुक्त रूप से बताया कि इस कैंप में प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञा डा. नीरू गिजवानी अत्याधिक आधुनिक मशीनों द्वारा आए हुए मरीजों की आंखों की जांच करेंगी। यही नहीं जांच के दौरान आप्रेशन के लिए चयनित मरीजों का बाबा बिहारी नेत्रालय में निःशुल्क आप्रेशन किया जाएगा।

अंतर्राज्यीय कवयित्री सम्मेलन कल

सिरसा। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला एवं हरियाणा लेखिका मंच सिरसा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 9 मार्च कोवयित्री सम्मेलन, लोकार्पण एवं सम्मान समारोह श्री युवक साहित्य सदन में आयोजित किया जाएगा।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन कल

सिरसा। जनता भवन रोड स्थित बाबा बिहारी नेत्रालय की ओर से श्री गौशाला में आगामी 9 मार्च को आंखों की जांच का निःशुल्क कैंप स्व. सीताराम बागला की याद में बागला परिवार की ओर से जनसेवा में लगाया जाएगा। गौशाला के प्रधान राजेंद्र रातुसरिया व सचिव प्रेम कंदोई ने संयुक्त रूप से बताया कि इस कैंप में प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञा डा. नीरू गिजवानी अत्याधिक आधुनिक मशीनों द्वारा आए हुए मरीजों की आंखों की जांच करेंगी।

अंतर्राज्यीय कवयित्री सम्मेलन कल

सिरसा। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला एवं हरियाणा लेखिका मंच सिरसा के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 9 मार्च कोवयित्री सम्मेलन, लोकार्पण एवं सम्मान समारोह श्री युवक साहित्य सदन में आयोजित किया जाएगा। हरियाणा लेखिका मंच की प्रधान डॉ. शील कौशिक ने बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि डॉ. दीप्ति धर्माणी, कुलपति चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी शिरकत करेंगी।

दो युवक 5.60 ग्राम हेरोइन सहित काबू

कालांवाली। कालांवाली थाना पुलिस ने तख्तमल क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को 5.60 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। कालांवाली थाना प्रभारी रामफल ने बताया कि एएसआई पप्पू सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त व चैकिंग के दौरान नाका तख्तमल पर मौजूद थे। इस दौरान कालांवाली की ओर से बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। उक्त मोटरसाइकिल सवार सामने नाका तख्तमल पर खड़ी पुलिस पार्टी को देखकर वापस मुड़ने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर उक्त बाइक सवार युवकों को काबू कर लिया।

फतेहाबाद में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने किया पीएम जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

डॉक्टर जन औषधि केन्द्र में उपलब्ध दवाएं ही मरीजों को लिखें, महंगी दवाएं लिखकर परेशान न करें: बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने डॉक्टरों व दवा माफिया को चेतावनी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल में जन औषधि दिवस पर कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यसभा सांसद सुभाष बराला।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने डॉक्टरों व दवा माफिया को चेतावनी दी कि यदि कोई पीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट की सफलता में बाधा बनता है तो इसका परिणाम भुगतने को तैयार रहें। डॉक्टर जन औषधि केन्द्र में उपलब्ध दवाएं ही मरीजों को लिखकर दें। बिना वजह महंगी दवाएं लिखकर मरीजों को परेशान न किया जाए। सुभाष बराला शुक्रवार को जन औषधि दिवस पर नागरिक अस्पताल में जन औषधि केंद्र का शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बराला ने कहा कि उन्हें दुख है कि नागरिक अस्पताल में ड्रग माफिया की वजह से पहले खुला जन औषधि केंद्र बंद हो चुका है। सांसद बराला बोले प्रधानमंत्री की इच्छा है लोगों को सस्ती व गुणवता वाली दवा मिले। यदि कोई इस कार्य में अपने निजी हितों के लिए बाधा बनता है तो उसे अंजाम भुगतना होगा। बराला ने मीडिया से भी आह्वान किया कि ड्रग माफिया को उजागर करें, सरकार ऐसे लोगों पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने एसएमओ से पूछा कि क्या डॉक्टरों को जन औषधि केन्द्र की दवा लिखने में कोई दिक्कत है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को एडवाईजरी जारी कर कहें कि वह जन औषधि केन्द्र की दवा लिखें। राज्यसभा सांसद ने बताया कि फतेहाबाद जिले में 8, प्रदेश में 408 और देश में 15 हजार जन औषधि केंद्र खुल चुके है। अगले दो वर्षों में जन औषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 25 हजार करने का लक्ष्य का लक्ष्य है। इन केंद्रों पर सस्ती व गुणवता की दवाईयां मिलती है। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना का उद्देश्य आमजन को कम कीमत में उच्च गुणवत्ता की दवाइयां उपलब्ध कराना है।

किसानों से की संतुलित खाद व कीटनाशक उपयोग करने की अपील

सांसद सुभाष बराला ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार खेती में कम केमिकल का उपयोग हो, इसके लिए जागरूकता के साथ-साथ योजनाएं लागू कर किसानों को फायदा पहुंचा रही है। हरियाणा सरकार ने बड़े स्तर पर खेती की मिट्टी जांच करके किसानों को भूमि की जरूरत अनुसार कीटनाशक व खाद उपयोग करने पर जोर दे रही है। केंद्र सरकार ने केमिकलों के अंधाधुंध प्रयोग पर चिंता व्यक्त की है और नैनो यूरिया और डीएपी की शुरूआत कर किसानों को इसके इस्तेमाल करने का आह्वान किया हुआ है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार खाद व कीटनाशक का संतुलित उपयोग कर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़े। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, एसएमओ डॉ. बुधराम, डिप्टी सीएमओ मेजर डॉ. शरद तुली, डॉ. गुंजन बंसल, डॉ. जय प्रकाश शर्मा, डॉ. कुलदीप गौरी, गुलशन हंस, जगदीश शर्मा, प्रवीण जोड़ा, सुभाष खिचड़ सहित नागरिक अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे।

भविष्य के चैंपियनों को तैयार करने में सहायक सिद्ध हो रहे खेलो इंडिया केंद्र

फतेहाबाद। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते सांसद सुभाष बराला।

फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि केंद्र सरकार की 'खेलो इंडिया' पहल के तहत हरियाणा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। खेलो इंडिया पहल के तहत हरियाणा में खेलो इंडिया केंद्रों का शुभारंभ किया गया है जो भविष्य के चैंपियनों को तैयार करने में सहायता करेंगे। शुक्रवार को राज्यसभा सांसद गांव सनियाना में शहीद भगत सिंह युवा संगठन एवं युवा एकता क्लब व समस्त ग्राम पंचायत सनियाना द्वारा आयोजित क्रिकेट महाकुंभ व खेल मेला में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने गांव में खेल सुविधाओं में विस्तार के लिए अपने राज्यसभा कोष से पांच लाख रुपये देने की घोषणा की। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि खेलो इंडिया भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य देश में खेलों को बढ़ावा देना और युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना है। खेलो इंडिया केंद्रों में पूर्व चैंपियन एथलीटों को शामिल किया गया है, जो नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर रहे। केंद्र व प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने का काम कर रही है। देशभर में खेल सुविधाओं का विस्तार करने के साथ-साथ खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए नकद पुरस्कार दिया जाता है। सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए समय-समय पर विभिन्न स्कीमों के माध्यम से खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करती है, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ी नए-नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

सड़क हादसे में पीड़ितों के कैशलेस इलाज के लिए पायलट परियोजना शुरू

सिरसा। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने पुलिस लाइन के प्रशासनिक भवन में जिला के सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों थाना प्रभारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने देश में बढ़ती सडक़ दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में राज्य पुलिस को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बैठक में उपस्थित पुलिस अधिकारियों से कहा कि हरियाणा पुलिस ने इस संबंध में एक अनूठी पहल शुरु की गई है। सडक़ दुर्घटना में घायलों को अब 1.5 लाख रुपए की कैशलेस मुफ्त उपचार सुविधा प्रदान की जा रही है, सडक़ दुर्घटना में पीड़ित की मदद के लिए कैशलेस उपचार योजना शुरु की है, जिसके तहत सडक़ दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस रिपोर्ट दर्ज होने पर सात दिनों के लिए 1.5 लाख रुपए तक के उपचार को कवर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित पैनल हॉस्पिटल का प्रबंधन करने वाले सडक़ दुर्घटना में घायल व्यक्ति का डेटा अपने सॉफ्टवेयर में अपलोड करेगा और संबंधित पुलिस स्टेशन को सूचित करेगा। पुलिस छह घंटे के भीतर पुष्टि करेगी कि उक्त व्यक्ति सडक़ दुर्घटना में शामिल था या नहीं।

- रोड एक्सीडेंट में घायल व्यक्ति को 1.5 लाख की 'कैशलेस' मुफ्त इलाज की मिलेगी सुविधा: एसपी

लोक अदालत में 362 मे से 326 केसों का निपटारा, 39107 रुपये का प्राप्त हुआ राजस्व

फतेहाबाद। हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सदस्य सचिव के दिशा निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला एडीआर सेंटर में विभिन्न प्रकार के मामलों की सुनवाई करते हुए स्थायी लोक अदालत के सदस्य पवन कुमार सुथार व सरोज सोनी ने कुल 362 मामलों में से 326 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने बताया कि आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 362 मामले रखे गए जिनमें से 326 मामलों का निपटारा किया गया जिसमें प्री लिटिगेशन के 307 केस रखे गए और 307 केसों का निपटारा किया गया जिसमें 31265 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। परमानेंट लोक अदालत में लंबित चल रहे मामलों में से संबंधित 55 मामले रखे गए जिसमें से 19 मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया गया व 7840 रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ।

महिलाओं की प्रगति से ही तरक्की

- एमपी रोही विद्यालय में महिला दिवस पर 'परवरिश से प्रगति तक: मां-बेटी की सांझेदारी' विषय पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। एमपी रोही विद्यालय में महिला अभिभावकों को संबोधित करते प्राचार्य भगवान दत्त। फोटो: हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व बेला पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदपुर रोही में 'परवरिश से प्रगति तक : मां-बेटी की सांझेदारी' विषय पर विशेष पीटीएम, महिला अभिभावकों के साथ आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय प्राचार्य भगवान दत्त ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं का ही मुद्दा नहीं है अपितु यह समस्त समाज की जिम्मेदारी है कि महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन जाने की परिस्थितियां समाज में उत्पन्न हो। समाज में महिलाओं की स्थिति से ही समाज की प्रगति मापी जा सकती है। प्राचार्य भगवान दत्त ने कहा कि बालिकाओं की प्रगति का मार्ग, उन्नत भविष्य व उनकी कामयाबी में परवरिश का बड़ा रोल होता है। प्राचार्य ने एक नासमझ व अंधविश्वासी महिला तथा समझदार व जागरूक महिला की अपनी बेटी की परवरिश का अंतर स्पष्ट रूप से समझाया। ग्रामीण महिला अभिभावकों से कहा कि एक अनपढ़ मां भी समझदार व जागरूक हो सकती है।

पॉयनियर स्कूल का सीए परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गत दिवस घोषित हुए सीए फाऊंडेशन व इंटर के परिणाम में पॉयनियर कॉन्वेंट स्कूल के 5 विद्यार्थियों ने शानदार सफलता हासिल की। स्कूल प्रिंसिपल गीतिका मेहता ने बताया कि कॉमर्स संकाय के अर्श, परी नारंग, मनोज, अंश ने सीए फाऊंडेशन की परीक्षा एवं गर्वित गोयल ने सीए इंटर 1 व सीए इंटर 2 परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने अभिभावकों, अध्यापकों व स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल मैनेजिंग डायरेक्टर विजय निर्मोही, निशांत निर्मोही ने बताया कि हर वर्ष स्कूल के बहुत से विद्यार्थी सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं तथा बहुत विद्यार्थी देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में बेहतर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में स्कूल के कॉमर्स के 20 से अधिक विद्यार्थियों ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के टॉप कॉलेज में अपनी जगह बनाई है।

कार्यशाला में दिए तरक्की के टिप्स

- क्रेसण्ट स्कूल दो दिवसीय इन-हाऊस कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में आयोजित कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक।

क्रेसण्ट पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय आंतरिक शिक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला 'कक्षा प्रबंधन' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय प्रधानाचार्या पूनम, विद्यालय की अध्यापिका दीक्षा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रभावी कक्षा प्रबंधन की प्रमुख शैलियों का विकास करना एवं मजबूत संगठनात्मक कौशल हेतु सावधानीपूर्वक योजना निर्माण से अवगत कराना था। छात्रों को तनावमुक्त करने तथा बातचीत के लिए प्रोत्साहित करने, छात्रों की सहभागिता को बढ़ाने, व्यवधान पैदा करने वाले छात्रों से कैसे निपटेंगे, कक्षा की चुनौतियों का सामना करने, कक्षा में शिष्टाचार को बढ़ावा देने, अपने व्यवहार से छात्रों को प्रेरणा देना, प्राचीन शिक्षण नीतियों की अपेक्षा नवीन रणनीतियों को अपनाना आदि विषयों पर चर्चा की गई। प्रधानाचार्या पूनम ने प्रशिक्षिका दीक्षा की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए आवश्यक हैं तथा शिक्षण को प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

सीडीएलयू में मनाया विश्व महिला दिवस

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में संगीत विभाग द्वारा विश्व महिला दिवस को कविता व गीत-संगीत की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विभाग की प्रो. कमलेश रानी ने कहा कि ये विश्वास और विकास का युग है, जिसमें महिला व पुरुष दोनों को एक दूसरे के आदर व सहयोग में आगे बढऩा चाहिए व मंजिल मिलने पर खुशियां भी मिल-बांटकर मनानी चाहिए। विद्यार्थी मीनाक्षी व वंदना द्वारा महिला के विभिन्न रूपों को कविता, गीत आदि के माध्यम से सुंदर भावनाएं समर्पित की गई। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. सरस्वती चतुर्वेदी, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. दीपक वर्मा व छात्र हरीश, ललित, विशाल, अमन, संयम, मनीषा, वंदना, लवप्रीत, हितेश, दीपेश आदि रहे।

छात्रों को बताया तरक्की का मार्ग

- अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में करियर गाइडेंस सेमीनार, प्रोफेसर रोबिन आनंद ने किया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। अपेक्स स्कूल में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते प्रो. रोबिन आनन्द।

अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में प्लस वन कॉमर्स संकाय के विद्यार्थियों के लिए करियर। सेमीनार में एमएम कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर रोबिन आनंद बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को उनके करियर विकल्पों के प्रति जागरूक करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। प्रो. रोबिन आनंद ने कॉमर्स क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न करियर संभावनाओं के बारे में जानकारी देते हुए चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए), कंपनी सेक्रेटरी (सीएस), कॉस्ट मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए) जैसे पेशेवर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ कॉर्पोरेट सेक्टर, अकादमिक क्षेत्र और उद्यमिता में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्कूल निदेशक अमित मक्कड़ को अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में ग्रेड +1 के लिए कॉमर्स संकाय शुरू करने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि साल 2004 से अब तक अमित मक्कड़ के मार्गदर्शन में सैकड़ों विद्यार्थी सीए बन चुके हैं, जो इस संस्थान की उत्कृष्टता को दर्शाता है। आनंद ने विद्यार्थियों से कहा कि समर्पण, मेहनत और सही मार्गदर्शन से वो अपने करियर में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

ग्रामीणों ने सुनवाई न होने पर खटखटाई सीएम विंडो

गली निर्माण में ठेकेदार उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

- ठेकेदार नियमों को ताक पर रखकर गली बना रहे है: ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ⏭चोपटा

सिरसा। गली निर्माण का सैंपल लेते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

खंड में बन रही इंटरलॉकिंग टाइलों की गलियां आने वाले दिनों में लोगों के लिए परेशानी का कारण बनेगी, क्योंकि भले ही हरियाणा सरकार ने गली निर्माण में आईएसआई मार्को की टाइलें मानकों के साथ लगाने के आदेश तो दिए हैं, लेकिन जिस तरीके से गली बनाई जा रही हैं, उस तरफ अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है। ठेकेदार नियमों को ताक पर रखकर गली बना रहे हैं। गली निर्माण में नियमों की परवाह करे बिना पर्याप्त मात्रा में पत्थर डालने की बजाय मिट्टी डालकर टाइलें लगाई जा रही हैं जोकि बरसाती दिनों में परेशानी का कारण बनेगी। ऐसा ही मामला चौपटा खंड के गांव रामपुरा बगडिया का सामने आया है। गांव में हरियाणा ग्रामीण विकास निधि योजना के तहत कार्यकारी अभियंता के दौरान गली निर्माण में खामियां होने पर भी एसडीओ अनिल, कनिष्ठ अभियंता प्रेम यादव द्वारा ठेकेदार के खिलाफ उचित कार्रवाई न करने पर बुधवार को ग्रामीण सतपाल, अमित, संदीप , राजेन्द्र सिंह ने उपायुक्त सिरसा और सीएम विंडो का दरवाजा खटखटाया।

यह है ग्रामीणों का आरोप

ग्रामीण सतपाल, अमित, संदीप, राजेंद्र सिंह ने शिकायत में आरोप लगाया है कि ठेकेदार द्वारा गली निर्माण कार्य एस्टीमेट के मुताबिक नहीं किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा इंटरलॉक गली निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। 3 लेयर पत्थर डालने की बजाय 2 लेयर पत्थर डाला गया है। एसडीओ की मौजूदगी में सैंपल लिए गए थे 10 इंच की जगह मात्र 5.5 ही पत्थर डाले गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि इसके बावजूद भी ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीडीएलयू के विद्यार्थियों ने फोल्क डांस प्रतियोगिता में जीता राष्ट्रीय चैंपियन खिताब

सिरसा। एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में आयोजित 38वें एआईयू इंटर यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव की विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। सीडीएलयू के इस दल ने फोल्क डांस प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल करके राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब जीता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने युवा कल्याण निदेशालय एवं विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सीडीएलयू ने अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हमारे छात्रों ने 100 प्रतिशत उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं।

ग्राम पंचायत मसूदपुर
तहसील हांसी (हिसार)-125049
नीलामी सूचना
ग्राम पंचायत मसूदपुर खण्ड हांसी-I हिसार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.03.2025 को सुबह 10 बजे ग्राम पंचायत मसूदपुर में पुरानी भट्ठा ईंटों की नीलामी स्थान पंचायत भवन में (नीलामी की जाएगी) सिक्योरिटी राशि मू. 3000/- रूपये होगी व अन्य शर्तें मौके पर पढ़कर सुना दी जाएंगी।
हस्ता/-सरपंच
ग्राम पंचायत मसूदपुर
तहसील हांसी (हिसार)
मो. नं. 80598-39492

नीलामी सूचना
ग्राम पंचायत रावतखेड़ा (हिसार) आंगनवाड़ी के रास्ते में स्थित पेड़ की नीलामी दिनांक 17 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजे रामदेव मन्दिर रावतखेड़ा में करवाई जाएगी। नीलामी में भाग लेने के लिए मौके पर 1 हजार रूपए सिक्योरिटी के तौर पर जमा करवाने होंगे। बाकी शर्तें मौके पर बता दी जाएगी
सोनू - ग्राम सचिव,
ग्राम पंचायत रावतखेड़ा
मो. 9017541991

खबर संक्षेप

हमें जीवन में शिक्षा के साथ आगे बढ़ना चाहिए

हिसार। फतेहचन्द महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के सौजन्य से अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. अनीता सहरावत ने शहर की सुप्रसिद्ध वनीता गोयल का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कहा कि मानव जीवन अनमोल है। स्वास्थ्य ठीक रहने पर ही हम अपने लक्ष्य को पा सकते हैं। मुख्य वक्ता वनीता गोयल ने कहा कि हमें अपने जीवन में शिक्षा एवं जज्बातों के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

आदमपुर के विकास से संबंधित दिए सुझाव

आदमपुर मंडी। विधायक व सेवानिवृत्त आईएएस चंद्रप्रकाश ने बजट में आदमपुर हलके के विकास के लिए पर्याप्त राशि जारी करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर आदमपुर हलके में विकास कार्यों की जरूरतों का उल्लेख किया है। जर्जर सडक़ों व लचर पेयजल व्यवस्था की समस्या से अवगत करवाते हुए सड़कों को दुरुस्त करवाने, नई सडक़ों के निर्माण व समुचित पेयजल व्यवस्था करवाने की मांग की है।

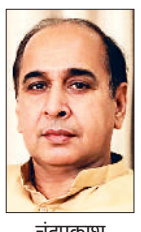

चंद्रप्रकाश
विधायक

सकसं जिला मुख्यालय पर चलाएगा बजट सत्र

हिसार। हरियाणा का अलग वेतन आयोग गठित करने, प्रतिमाह 5000 रुपये अंतरिम सहायता देने, सभी वेतन विसंगतियां दूर करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, रेगुलाइजेशन की नीति बनाने, पुरानी पेंशन बहाल करने सहित अन्य मांगों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ, हरियाणा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर 17 मार्च को विधानसभा सत्र के समानांतर कर्मचारी बजट सत्र चलाकर अपना विरोध दर्ज करवाएगा। सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान धर्मवीर फौगाट व महासचिव नरेश कुमार ने यह जानकारी दी।

सुलखनी गांव के किसानों ने उपायुक्त अनीश यादव को ज्ञापन सौंपा

ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों ने मांगा मुआवजा, क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग

- जिले में 5850 एकड़ गेहूं और 3180 एकड़ सरसों को नुकसान हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जिले में पिछले दिनों हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों ने सरकार से मुआवजा दिए जाने की मांग की है। इस संबंध में सुलखनी गांव के किसान शुक्रवार को लघु सचिवालय पहुंचे और उपायुक्त अनीश यादव को ज्ञापन सौंपकर नुकसान के मुआवजे के लिए क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने की मांग की है।

पिछले दिनों हुई ओलावृष्टि से कई गांवों में फसलों को नुकसान पहुंचा है। कृषि विभाग के अनुसार हिसार जिले में 5850 एकड़ गेहूं और 3180 एकड़ सरसों की फसल को 50 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है। सबसे अधिक नुकसान हांसी ब्लॉक में हुआ है। यहां 92 हजार 900 एकड़ में गेहूं की फसल को 25 प्रतिशत और 5850 एकड़ में 26 से 50 प्रतिशत तक का नुकसान पहुंचा है। इसी तरह नारनौंद में 82350 एकड़ में गेहूं की फसल को 25 प्रतिशत तक का नुकसान हुआ है। हिसार ब्लॉक एक में 22 हजार 500 एकड़ में 25 प्रतिशत तक फसल प्रभावित हुई है। बास, आदमपुर, अग्रोहा, हिसार द्वितीय, बरवाला और उकलाना ब्लॉक में कोई नुकसान नहीं हुआ है।

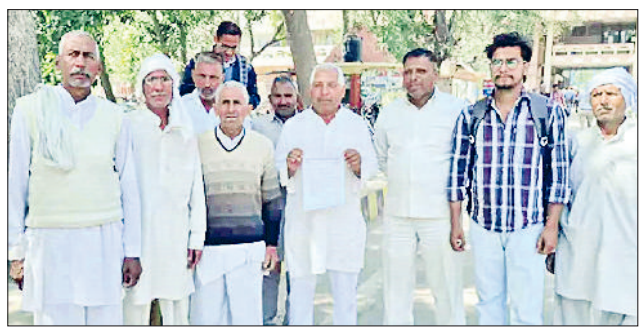

हिसार। मुआवजे की मांग पर लघु सचिवालय पहुंचे किसान।

हिसार। आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर लघु सचिवालय पहुंचे किसान।

सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बरवाला। बरवाला व उकलाना के सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने एसडीएम कार्यालय में भिखु भंते कांशी रत्न की अध्यक्षता में एसडीएम बरवाला को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त रूप से महाबोधि महाविहार, बोधगया बौद्ध अनुयायियों की महान विरासत को अबौद्धों के हस्तक्षेप से मुक्त कराने बारे कहा कि अगर बौद्धों की विरासत को उन्हें सौंपा नहीं गया तो आने वाले दिनों में पूरे देश में बड़े आंदोलन का आगाज करेंगे। यह विरासत कानूनी और सामाजिक रूप से बौद्ध धम्म के लोगों की ही है। एसडीएम बरवाला के मार्फत राष्ट्रपति महोदया भारत सरकार के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर जनसंगठनों के प्रतिनिधि डॉ राजेश महेंदिया, राम अवतार भारतीय, राज रत्न बौद्ध ज्ञानेंद्र, डॉ.पवन सिंह मोर्य, राजबीर बौद्ध, सरदानन्द राजली, रामदेव रंगा, रोहतास राजली, सुनील बधावड़, कुलदीप सरोहा व अंग्रेज बूरा आदि मौजूद रहे।

बरवाला। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते जनसंगठनों के प्रतिनिधि।

स्वतंत्रता सेनानियों ने मांगा अलग आरक्षण उपायुक्त को सौंपा सीएम के नाम ज्ञापन

हिसार। स्वतंत्रता सेनानी जन कल्याण संगठन ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री नायब सिंह को ज्ञापन भेजा है। इस 10 सूत्री ज्ञापन में स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को 2 प्रतिशत होरिजेंटल आरक्षण देने सहित अन्य मांगे रखी गई है। साथ ही मांग की गई है कि इस आरक्षण को पूर्व सैनिकों के आरक्षण से अलग रखा जाए। स्वतंत्रता सेनानी जन कल्याण संगठन की मांग है कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार की तर्ज पर कुटुंब पेंशन योजना लागू करने की मांग की गई है। इसके तहत स्वतंत्रता सेनानी की प्रथम पीढ़ी के देहांत के बाद उनके परिवार को 60 साल की उम्र तक 5000 रुपये मासिक पेंशन दी जाए।अन्य महत्वपूर्ण मांगों में हरियाणा स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति का पुनर्गठन करना और इसे उत्तराधिकारी सम्मान समिति में विलय करना शामिल है। स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारजनों को आईकार्ड जारी करने और केशलैस उपचार की सुविधा देने की मांग भी की गई है। संगठन ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार को राष्ट्रीय परिवार घोषित करने की मांग रखी है। साथ ही 15 अगस्त और 26 जनवरी के सरकारी कार्यक्रमों में पुलिस द्वारा किए जाने वाले अपमानजनक व्यवहार को रोकने की मांग की है। उपायुक्त ने स्वतंत्रता सेनानियों प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनकी मांग सरकार को भेज दी जाएगी।

■ इस आरक्षण को पूर्व सैनिकों के आरक्षण से अलग रखें

रामपुरा मोहल्ला में तोड़फोड़ और अवैध पीजी के खिलाफ नागरिकों ने की शिकायत

हिसार। अवैध पीजी के खिलाफ पुलिस थाने जाकर शिकायत देते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

हिसार। रामपुरा मोहल्ला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने गीता भवन पार्क में हुई तोड़फोड़ की घटना और अवैध पीजी के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ सब्जी मंडी चौकी में शिकायत दर्ज कराई है। शुक्रवार को दी गई शिकायत में कहा गया है कि गत रात कुछ असामाजिक तत्वों ने पार्क में रखी कुर्सियों और अन्य सामान को नुकसान पहुंचाया। मोहल्ले के लोग इसे अवैध रूप से चल रहे पीजी और वहां रहने वाले अनजान लोगों से जोडक़र देख रहे हैं। एसोसिएशन का कहना है कि इन अवैध पीजी में बिना किसी पहचान जांच के बाहरी लोग ठहरते हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। एसोसिएशन के सचिव कृष्ण जैन के नेतृत्व में करीब 15 सदस्य सब्जी मंडी चौकी पहुंचे और प्रभारी कुलदीप सिंह को ज्ञापन सौंपा।

■ पुलिस प्रशासन से इस मामले में त्वरित कदम उठाने की अपील की

उन्होंने तीन प्रमुख मांगें रखी, जिसमें गीता भवन पार्क में हुई तोडफ़ोड़ की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए, अवैध पीजी पर सख्त कदम उठाए जाएं और इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। शिकायत के साथ तोड़े गए सामान की तस्वीरें भी पुलिस को सौंपी गईं। मोहल्ला निवासी जल्द से जल्द उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ताकि इलाके में शांति और सुरक्षा बनी रहे। पुलिस प्रशासन से इस मामले में त्वरित कदम उठाने की अपील की गई है।

छात्रों ने गणित व अंग्रेजी विषय की ओलंपियाड परीक्षा में जीते पदक

- छठी के उदय ने प्रथम, प्रीत ने द्वितीय व दिवांश का तृतीय स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित बी.डी. मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल गणित व अंग्रेजी विषय की ओलंपियाड परीक्षा में स्वर्ण, सिल्वर व ब्रॉन्ज मैडल जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. आस्था भुटानी ने कहा कि विद्यालय के छठी कक्षा के उदय ने प्रथम, प्रीत ने द्वितीय व दिवांश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सातवीं कक्षा में सिमरन ने प्रथम, लक्षिता ने द्वितीय राघव ने तृतीय स्थान, आठवीं कक्षा में आरव ने प्रथम, गौरव ने द्वितीय व भावेश ने तृतीय स्थान, नौवीं कक्षा में देव ने प्रथम, लावण्या ने द्वितीय व रुद्राक्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह दसवीं कक्षा में मीत प्रथम, निशचय द्वितीय व श्रीकांत तृतीय स्थान पर रहा। प्रधानाचार्या अंजु अरोड़ा ने विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर बधाई दी।

हिसार। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बी.डी. मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र अपने प्रमाण पत्रों के साथ। फोटो : हरिभूमि

प्रो. पूनिया चाणक्य पुरस्कार से सम्मानित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रो. वंदना पूनिया को वर्ष 2024 के लिए 'बेस्ट टीचर एजुकेटर' के लिए प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय चाणक्य पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन्हें गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल्ल पंसेरिया व कुलपति प्रो. आरसी पटेल द्वारा भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (आईआईटीई), गांधीनगर के सातवें दीक्षांत समारोह के दौरान एनसीटीई, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में एनआईपीईए, नई दिल्ली में प्रदान किया गया। प्रो. वंदना पूनिया शुक्रवार को पुरस्कार के साथ गुजवि के कुलपति प्रो. नरसी राम से मिली।

अभिनय करने वाले छात्र सम्मानित

- होली चाइल्ड स्कूल बना फिल्म निर्माण का प्रमुख केंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

होली चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल फिल्म निर्माण के लिए एक बेहतरीन स्थल के रूप में उभर रहा है। एक साल की अवधि में होली चाइल्ड में शूट हुई तीसरी फ़िल्म में ड्रामा क्लब के विद्यार्थियों ने अदाकारी की नई मिशाल प्रस्तुत की। हिसार में फिल्मों और शॉर्ट फिल्मों से जुड़े कलाकारों को यह विद्यालय आकर्षित कर रहा है।

इसी कड़ी में, दो थप्पड़ नामक शॉर्ट फिल्म की शूटिंग विद्यालय परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इसमें विद्यालय के कक्षा पांचवी के विद्यार्थियों सक्षम, करन, अंश और रमन ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। आईडियावाला प्रोडक्शन, मुम्बई से इस फिल्म का निर्देशन हिमांशु निशा त्यागी ने किया, जबकि प्रोडक्शन की जिम्मेदारी संदीप राज सांडिल्य ने निभाई। वहीं, एक्सक्यूटिव प्रोडक्शन का कार्यभार हरीश छाबड़ा के जिम्मे था। प्रबंध निदेशक आरएस सिंधु ने इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कैश अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। फिल्मों में विद्यार्थियों को अवसर प्रदान करने के लिए फिल्म अभिनेता लोकेश मोहन खट्टर का आभार जताया।

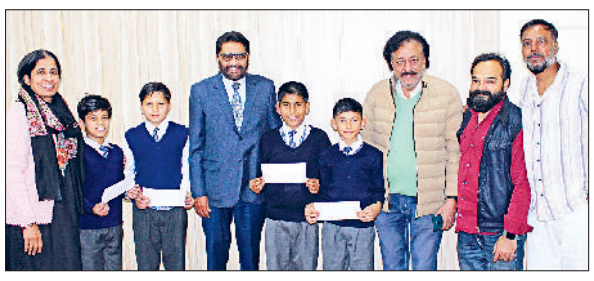

हिसार। दो थप्पड़ शॉर्ट फिल्म में अभिनय करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए आरएस सिंधु एवं फिल्म प्रोडक्शन टीम। फोटो : हरिभूमि

होली पर्व को लेकर बाजारों में सजने लगीं दुकानें

- अनेक तरह की पिचकरियों व रंग-गुलाल से बाजार अटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी आदमपुर

होली जैसै-जैसे नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे बाजार में होली के सामानों की दुकानें सजने लगी है। दुकानों पर रंगबिरंगी एक से बढ़कर एक खिलौना व बंदूक की पिचकारी के रूप में अनेक तरह की पिचकरियां व रंग-गुलाल से बाजार अटे पड़े हैं।

होली पर्व को लेकर बच्चे भी काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं जिसके चलते लोग व महिलाएं बच्चों के लिए पिचकरियां व रंग खरीदते नजर आ रहे हैं। हालांकि अभी ज्यादा ग्राहक नजर नहीं आ रहे हैं फिर भी बाजार सजे हुए हैं। दूसरी तरफ होली पर्व को लेकर गांव मोडा खेड़ा में हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा वही सालासर खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा बाबा श्याम की शोभायात्रा की तैयारियां चल रही है।

मंडी आदमपुर। होली पर्व को लेकर सजी दुकान। फोटो : हरिभूमि

400 व 800 मीटर में मनीषा दौड़ी सबसे तेज

- राजकीय बहुतकनीकी में 39वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी आदमपुर

खेल के खेलने से हमारा शारीरिक स्वास्थ्य सुधरता है और हमें ऊर्जा से भर देता है। यह हमारे मानसिक तनाव को कम करता है और हमें खुश रखता है।

यह बात आदमपुर के राजकीय बहुतकनीकी में शुरू हुई दो दिवसीय 39वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि के तौर पर प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने कही। प्रतियोगिता का शुभारंभ एनएसएस यूनिट व खिलाड़ियों के मार्च पास्ट से प्रारंभ हुआ। खेल प्रभारी प्राध्यापक रमेश कुमार ने सभी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत, खेल प्रभारी रमेश कुमार, टीपीओ नरेश घनघस विभागाध्यक्ष वेदपाल यादव, सुरेश पूनिया, वेदपाल यादव ने ध्वजारोहण किया। प्रथम दिन लड़कियों की 400 मीटर रेस में मनीषा प्रथम निधि द्वितीय व मुस्कान तृतीय स्थान पर रही। 800 मीटर में मनीषा प्रथम मुस्कान द्वितीय व मोनिका तृतीय स्थान पर रही। लड़कों की 800 मीटर रेस में मनीष प्रथम अंकुर द्वितीय व सचिन तृतीय स्थान पर रहा। डिस्कस थ्रो में विजय सिंह प्रथम मनीष द्वितीय व मनोज कुमार तृतीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में मनीष प्रथम अंकुर द्वितीय व नवीन कुमार तृतीय स्थान पर रहे वही 1500 मीटर दौड़ में साहिल प्रथम मनीष द्वितीय मोहित तृतीय स्थान पर रहा। ट्रिपल जंप में मनीष प्रथम, अंकुर द्वितीय ,अर्जुन तृतीय स्थान पर रहे वहीं जेवलिन थ्रो में विजय सिंह प्रथम, अभिषेक द्वितीय व विक्रम तृतीय स्थान पर रहे।

मंडी आदमपुर। खेल प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन करते विद्यार्थी।

निशा रही अव्वल

डिस्कस थ्रो में अंकिता प्रथम, दिव्या द्वितीय व रेनू तृतीय स्थान पर रही। लंबी कूद में निशा प्रथम, दिव्या द्वितीय व निधि तृतीय स्थान पर रही। जेवलिन थ्रो में सोनाली प्रथम, अंकिता द्वितीय, रेनू तृतीय स्थान पर रही।

'सेल्फ डिफेंस विपरीत परिस्थिति में खुद की रक्षा करने की तकनीक'

हिसार। गवर्नमेंट वूमन कॉलेज की छात्राओं का राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धांसू में एनएसएस शिविर चल रहा है। इस शिविर में जहां छात्राओं ने एनएसएस का प्रशिक्षण लिया वहीं उन्होंने सेल्फ डिफेंस में भी महारत हासिल की। छात्राओं ने सेल्फ डिफेंस की विभिन्न तकनीकें सीखकर खुद को आत्मरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनाया।

शिविर में छात्राओं को इसका प्रशिक्षण सेल्फ डिफेंस कोच रोहतास कुमार ने दिया जो अब तक लाखों महिलाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दे चुके हैं।

नारी तुम हो दुर्गा, तुम हो सरस्वती,
दूसरों को जो राह दिखाए, तुममें है वो शक्ति,
हर दिन, हर पल आगे बढ़ती हो,
कठिनाइयों से कभी भी पीछे नहीं हटती हो।
आप सभी को
सुनीता रेड्डू
जिला अध्यक्ष, महिला मोर्चा, भाजपा हिसार
की तरफ से अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्मान

अग्रोहा धाम में 13 को होली मिलन समारोह, छप्पन भोग व भण्डारा कार्यक्रम

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन

सरकार अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल व ट्रामा सेंटर की मंजूरी तुरंत दे

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग अग्रोहा धाम अग्रोहा विकास ट्रस्ट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई।

मीटिंग में अग्रोहा धाम में होने वाला होली मिलन समारोह, पूर्णीमा पर छप्पन भोग व भण्डारा की तैयारियों व मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल व ट्रामा सेंटर बनने पर विचार किया गया।

अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने मीटिंग में पूजा करने के उपरांत कहा कि अग्रोहा धाम में 13 मार्च को भव्य होली मिलन समारोह, छप्पन भोग व भण्डारा का कार्यक्रम होगा। जिसमें फूलों के संग होली खेली जाएगी।

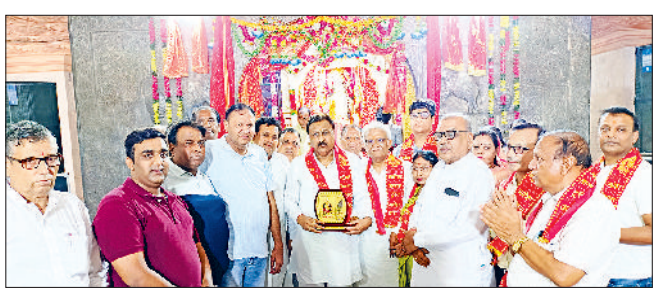

हिसार। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

तीन साल से अधूरी है मांग

गर्ग ने कहा कि हरियाणा सरकार जनता के स्वास्थ्य के लिए गम्भीर नहीं है जबकि अग्रोहा मेडिकल कालेज द्वारा सरकार से कैंसर हॉस्पिटल बनाने की मंजूरी मांगे तीन साल से ज्यादा हो गए है मगर सरकार ने अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल बनाने की मंजूरी न देने से जनता में नाराजगी है जबकि 6 मार्च 2022 को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल बनाने के लिए अधारशिला रखी जा चुकी है। गर्ग ने कहा कि सरकार को तुरंत प्रभाव से अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कैंसर हॉस्पिटल व ट्रामा सेंटर बनाने की मंजूरी देनी चाहिए ताकि जनता को उसका लाभ मिल सकें। इस अवसर पर एनके गोयल, अनिल सिंगला, सत्यपाल अग्रवाल, चूड़ियां राम गोयल, ऋषि राज गर्ग, अनंत अग्रवाल, निरंजन गोयल, सज्जन गुप्ता, पवन गर्ग, त्रिलोक कंसल, सुरेंद्र बागड़ी, आनंद गोयल, रवि सिंगला, ईश्वर गोयल, ब्रह्मानंद अग्रवाल आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

Life-Care Labs
ॐ Precision And Care ॐ
Happy Women's Day
Dr. Anisha Mahajan
सभी प्रकार की जांचों की सुविधा आधुनिक मशीनों द्वारा उपलब्ध है।
Behind Bharat Medical Centre, Near Sewak Sabha Hospital, Rishi Nagar, Hisar
Satyam Hospital, Near Budhla Sant Mandir, Rishi Nagar, Hisar
99960-12226